मेरी सगी दीदी की अन्तर्वासना

“सेक्सी हॉट गर्ल की चुदाई का मजा मुझे मेरी दीदी ने दिया. दीदी ने मुझसे अपनी सहेली को भी चुदवाया. लेकिन फिर दीदी ने मुझे चूत देनी बंद कर दी. दीदी को मैंने उनके बॉयफ्रेंड से चुदाई करती देखा.”

…

Story By: जय 5 (jay5)
Posted: Wednesday, August 16th, 2023
Categories: भाई बहन
Online version: मेरी सगी दीदी की अन्तर्वासना

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी सगी दीदी की अन्तर्वासना

सेक्सी हॉट गर्ल की चुदाई का मजा मुझे मेरी दीदी ने दिया. दीदी ने मुझसे अपनी सहेली को भी चुदवाया. लेकिन फिर दीदी ने मुझे चूत देनी बंद कर दी. दीदी को मैंने उनके बॉयफ्रेंड से चुदाई करती देखा.

मेरा नाम जय शर्मा है, मैं मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में रहता हूं।
मेरे परिवार में हम चार लोग रहते हैं मम्मी पापा, दीदी और मैं !

यह सेक्सी हॉट गर्ल की चुदाई कहानी मेरी दीदी की है जो भरी हुई जिस्म की मालकिन हैं. दीदी का नाम रानी है, वे मुझसे कई साल बड़ी हैं.

बात उन दिनों की है जब दीदी की जवानी की शुरुआत थी.
उस समय हम गांव में रहा करते थे.

वहाँ मेरी दीदी की सखी कमला भी हमारे घर के पास रहती थी।

एक दिन ऐसा हुआ कि जब मम्मी पापा किसी काम से शहर गए हुए थे.

तब दीदी और उनकी सहेली को पता नहीं क्या सूझा, वे दोनों मुझे मेरे घर के अंदर ले गई.

मैं बहुत नादान था.
कमरे में ले जाकर पहले दीदी ने मेरी पैंट उतारी और मुझे नंगा कर दिया.
उसके बाद दीदी ने भी सलवार का नाड़ा खोला, मेरे सामने दीदी बिल्कुल पेंटी में थी.

फिर धीरे धीरे दीदी ने पेंटी भी उतार दी।

तब मैंने देखा कि दीदी की चूत में हल्के हल्के बाल हैं और मेरे लंड में कुछ भी बाल नहीं हैं.

मैं बस कुछ समय दीदी की चूत को देखता ही रहा.
फिर दीदी ने चूत की तरफ इशारा करते हुए कहा- हाथ से रगड़ इसे !
लेकिन मैंने डर के मारे कुछ नहीं किया.

तब दीदी बिस्तर पर लेट गयी और अपनी सहेली को इशारा लिया.
दीदी की सहेली भी वहीं थी तो उसने मुझे पकड़ कर दीदी के ऊपर लिटा दिया।

उसने मेरे लण्ड को पकड़ कर दीदी की चूत की दरार में रखा.

दीदी ने अपने चूतड़ उछाल कर मेरे लंड को अपनी चूत में लेना चाहा.
पर मेरा लण्ड खड़ा नहीं था इसलिए दीदी की चूत के अंदर जा नहीं रहा था.

फिर मुझे खड़ा करके दीदी की सहेली ने मेरे लंड को मुंह में लेकर चूसा तो मेरा लंड खडा हो गया.
इस तरह से मेरे लण्ड को खड़ा करके फिर मेरे लण्ड को दीदी की चूत के सामने रखा और मुझे उन्होंने धक्का लगाने को कहा.

उनके कहने पर मैंने धक्का लगाया तो दीदी की चूत के अंदर मेरा लण्ड चला गया.

उस समय मुझे बहुत तकलीफ हुई और मेरे लंड की सील दीदी की चूत ने तोड़ी.
फिर मैंने दीदी की चुदाई की.

उसके बाद दीदी ने उनकी सहेली कमला को कपड़े उतारने को कहा.
कमला भी मेरे सामने नंगी हो गई, मैंने कमला की भी चुदाई की।

सेक्सी हॉट गर्ल की चुदाई से मैं बहुत थक गया था.

वो मेरी पहली चुदाई थी, उस समय मुझे चुदाई के बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं था।

उसके बाद पता नहीं क्या हुआ, दीदी ने दोबारा मेरे साथ वो सब नहीं किया.

फिर मैं बड़ा हुआ, तब दीदी की चुदाई के बारे में सोचकर मन ही मन खुश हुआ करता था.

एक बार मेरे पेपर चल रहे थे, तब मैं आंगन बैठ कर पढ़ रहा था.
मेरे घर के आंगन में ही बाथरूम बना हुआ था.

आपने देखा होगा कि गांव का बॉथरूम जो बिना दरवाजे का होता है और ऊपर से पूरा खुला हुआ!
हमारा बाथरूम लकड़ी की फट्टियों से बना हुआ था.

मैं बिल्कुल बॉथरूम के दरवाजे के सामने की ओर ही बैठा था।

तब दीदी कपड़े लेकर नहाने के लिए मेरे सामने बॉथरूम के अंदर चली गई।

फिर दीदी ने जैसे ही कमीज उतारी, तब मैंने जैसे ही दीदी को ब्रा में देखा, मेरे लण्ड में मानो तूफान आ गया हो.

इसके बाद दीदी ने जैसे ही सलवार उतारी और दीदी केवल पैंटी में हो गई, उनकी गोरी गोरी जाँघों को देखकर मैं तो पागल हो गया था.

दीदी ने मेरी तरफ ध्यान नहीं दिया था, उन्होंने सोचा कि मैं पढ़ाई कर रहा हूँ.
फिर दीदी ने जैसे ही ब्रा उतारी तो मेरी नज़र नंगी दीदी के बदन से हटने का नाम ही नहीं ले रही थी।

दीदी के बूब्स बिल्कुल बड़े बड़े मेरे सामने आ गए.

तो दीदी के मम्मे देखकर मेरा बहुत बुरा हाल हो गया था क्योंकि मैं पहली बार इतने बड़े मम्मे देख रहा था.
पिछली बार जब दीदी मेरे सामने नंगी हुई थी तो उनके मम्मे इतना बड़े नहीं थे.

अब मेरा तो पूरा ध्यान दीदी के ऊपर था।

पता नहीं कैसे मुझे दीदी ने उनको घूरते हुऐ देख लिया और अपने स्तन छुपाने लगी.
फिर वे मेरी तरफ पीठ करके नहाने लगी जिससे मुझे उनके बूब्स नहीं दिख पा रहे थे।

अब मैं निराश होकर पढ़ाई करने लगा.
पर मेरा तो पढ़ाई में बिल्कुल ध्यान नहीं लग रहा था, बस दीदी के बड़े बड़े दूढ ही आँखों के सामने तैरते दिख रहे थे।

अब मैं दीदी के बारे में बहुत गंदा गंदा सोचने लगा था।
जब भी दीदी नहाने जाती, मैं उनको नंगी देखने की पूरी कोशिश करता रहता और देख भी लेता था.

मैंने मुठ मारना भी शुरू कर दिया था.

समय बीतता गया, दीदी की पढ़ाई पूरी हो गई थी और दीदी की शादी हो गई.

अब मुझे दीदी के बूब्स देखने को नहीं मिल पा रहे थे।

दीदी की शादी को तीन महीने ही हुऐ थे कि जीजा की मृत्यु किसी कारणवश हो गई और दीदी हमारे घर फिर से आ गई.

पर अब मुझसे दीदी का चेहरा देखा नहीं जा पा रहा था क्योंकि वे हमेशा उदास रहती थी।
इसलिए मैं दीदी को नहाते हुई भी नहीं देख सकता था, अब मेरा भी मन नहीं करता था.

फिर धीरे धीरे समय बीतता गया.
दीदी भी सबकुछ भूल गई थी और हंसती हुई खुश रहने लगी थी.

दीदी ने आगे की पढ़ाई करना चालू किया और उनकी नौकरी लग गई।
उनकी नौकरी भोपाल में थी।

तब मम्मी पापा ने मुझे दीदी के साथ रहने के लिए बोला और मैं उनके साथ रहकर ही पढ़ाई करने लगा।

दीदी जॉब पर चली जाती और मैं कॉलेज चला जाता।
ऐसा रोज होने लगा.

फिर एक दिन दीदी नहाने के लिए बॉथरूम गई हुई थी तब उसके फोन पर व्हाट्सएप मैसेज आया.
मैसेज में 'hi sona' लिखा था.

तब मैसेज देखकर मेरी आंखें तेज हो गई. शायद वह मैसेज दीदी के बॉयफ्रेंड का था।
अब मैं दीदी के बारे में फिर से गलत सोचने लगा था।

एक दीदी और मैंने खाना खाया और मैं मेरे कमरे में सोने चला गया और दीदी उनके कमरे में चली गईं.

तकरीबन रात के 1 बजे रहे होंगे जब मैं पानी पीने के लिए उठा.
तब दीदी के कमरे से मुझे कुछ अजीब सी आवाजें सुनाई देने लगी.
पर मुझे उनकी आवाज साफ सुनाई नहीं दे रही थी।

फिर मैंने कान लगा कर सुना तो 'आह ! ओह ! अहा !' की आवाज सुनाई दी.

तो मैंने सोचा कि दीदी बहुत दिन से नहीं चुदी होगी इसलिए उंगली कर रही होगी.

पर मुझे उनके आवाज के साथ किसी और की आवाज सुनाई दी.
तब मुझे पक्का भरोसा हो गया कि दीदी किसी मर्द के साथ चुदाई करवा रही होगी।

फिर मैं धीरे से दीदी के कमरे की खिड़की के पास गया.
खिड़की के अंदर मुझे साफ साफ दिखाई दे रहा था.

जैसे ही मैंने अंदर देखा तो अंदर का नजारा बिल्कुल देखने लायक था।

दीदी घोड़ी बनी हुई थी और उनका बॉयफ्रेंड धर्मेंद्र दीदी की चुदाई कर रहा था.
धर्मेंद्र से दीदी ने मुझे एक बार मिलाया था।

कुछ समय बाद धर्मेन्द्र ने लण्ड दीदी की चूत से बाहर निकाला और दीदी के सामने लण्ड किया और दीदी को चूसने के लिए कहा.
तो दीदी ने तुरंत उसका लण्ड मुंह में ले लिया और चूसने लगी।

दीदी का यह रूप देखकर मेरे लण्ड में भी आग लग चुकी थी.
अब दीदी बिल्कुल रण्डी की तरह धर्मेंद्र का लण्ड चूस रही थी।

कुछ समय तक लण्ड चूसने के बाद उसने दीदी को फिर से घोड़ी बनाया और दीदी की बालों को पकड़ कर चुदाई करने लगा।
दीदी के मुंह से ‘आह ओह … माई गोड … फक मी’ की आवाज आने लगी.

दीदी ओर धर्मेंद्र की चुदाई काफी देर तक चली.
फिर धर्मेन्द्र ने दीदी की चूत के अंदर अंदर से लंड निकाला और दीदी के मुंह के अंदर पूरा वीर्य दीदी के मुंह में छोड़ दिया.

इसके बाद दोनों आपस में लिपट के सो गए।

जब मैं सुबह उठा तो दीदी बहुत खुश लग रही थी.

शायद मेरे कारण उनकी चुदाई नहीं हो पा रही थी।
पर रात की चुदाई के बाद दीदी बहुत खुश थी।

इसबात को 15 दिन गुजर गए.
शायद धर्मेंद्र किसी काम से शहर से बाहर गया होगा।

एक दिन जब सुबह दीदी नहाने गई तब उनकी मोबाइल में मैसेज आया कि वह आज सुबह भोपाल पहुंचने वाला है.
मैसेज पढ़ कर मैंने दीदी का मोबाईल वहीं रखा और बाहर चला गया.

कुछ टाइम बाद जब मैं रूम में गया तब तक दीदी नहाकर तैयार हो गई थी और नौकरी के लिए निकल गईं थी।

मुझे पता था कि दीदी की आज दमदार चुदाई होगी क्योंकि पूरे 15 दिन के बाद दोनों मिल रहे थे।

मेरा मन कॉलेज में नहीं लग रहा था इसलिए मैं कॉलेज से घर जल्दी आ गया.

जब मैं घर पहुंचा तो घर का ताला खुला हुआ था.
फिर मैंने धीरे से दरवाजा को धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया।

जैसे ही मैं अंदर गया तो अंदर का नजारा कुछ और ही था.
दीदी धर्मेन्द्र का लौड़ा चूस रही थी.
वे बिल्कुल नंगी थी दीदी की चूत बिल्कुल चिकनी थी, शायद आज दीदी चूत की शेविंग की

होगी.

मुझे देखकर दीदी घबरा गई और अपने बदन को छुपाते हुए धर्मेंद्र के पीछे छुप गई।

मैं दीदी को इस हालत में देखकर घबरा गया और मुझे देख धर्मेन्द्र ने अपने कपड़े पहने और भाग गया।

दीदी ने मुझसे 'आइंदा ऐसा कभी नहीं होगा' करके माफ़ी मांगी।
वे मुझसे नजर नहीं मिला पा रही थी।

ऐसे ही 1 महीना बीत गया.

फ़िर मैंने दीदी के बारे में सोचा कि दीदी को भी किसी मर्द की बहुत जरूरत है जिससे वह अपनी चाहत पूरी करे।
मैंने दीदी से बात करने की सोची।

2 दिन के बाद एक बार मैं दीदी के बारे में सोचकर मुठ मार रहा था और झड़ गया और वैसे ही सो गया, मुझे कुछ पता ही नहीं चला.

सुबह दीदी मेरे कमरे में आकर पौंछा लगाने लगी.
मेरा लण्ड लोवर से बाहर था.

दीदी ने जैसे ही मेरा लौड़ा देखा, देखती ही रह गई और हाथ से टच भी कर रही थी.
शायद बहुत दिन हो गए थे धर्मेंद्र और दीदी के चुदाई को … इसलिए मेरा लौड़ा देखकर दीदी सब कुछ भूल गई थी।

दीदी मेरा लौड़ा हिलाने लगी थीं पर कुछ समय बाद दीदी रूम से बाहर चली गईं।

दिसम्बर का महीना आधा बीत चुका था, तब बहुत जोर की ठंड चल रही थी. मेरी छुट्टियां पड़ गयी थी.

अब हम भी गांव जाने की सोचने लगे और अपनी अपनी सामान को पैक करने लगे क्योंकि हमारी बस शाम 7 बजे वाली थी इसलिए जल्दबाजी में हम कंबल रखना भूल गए.
वैसे मैंने एक कंबल रख लिया था पर दीदी ने नहीं रखा था.

बस में हमारी स्लीपर सीट थी.
जैसे ही बस में बैठे, ठंड बहुत तेज लगने लगी थी.

फिर दीदी ने बैग चैक किया तो कंबल नहीं मिला और हम दोनों एक दूसरे को देखने लगे.
तब मैं जो कंबल लाया था, वही हम दोनों ने ओढ़ लिया.

फिर बस करीब 10 बजे एक ढाबे में रुकी.
तब पता चला कि बस 30 मिनट तक यहाँ रूकेगी.

तब सभी लोगों ने ढाबे में खाना खाया और बस के चलने का इंतजार करने लगे.

बस 10:30 बजे ढाबे से निकली और अब सभी लोगों को नींद आने लगी थी.
सब अपनी अपनी सीट पर आराम करने लगे थे.
दीदी और मैं भी कंबल ओढ़कर सो गए.

करीब 2 बजे रात को मेरी आंख खुली.
तब दीदी मेरी तरफ पीठ करके सो रही थी.
वे मुझसे बिल्कुल चिपकी हुई थी इस कारण मेरा लण्ड खड़ा होने लगा और दीदी की गांड में जाने को होने लगा.

कुछ टाइम बाद दीदी ने करवट बदली और मेरे तरफ चेहरा करके सोने लगी.
फिर मैं भी करवट बदल का दीदी की तरफ पीठ करके सो गया।

कुछ समय बाद दीदी मेरे ऊपर हाथ रख दिया.
मैंने कोई 15 मिनट तक मैंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो दीदी मेरे लोवर में मेरा लौड़ा सहलाने लगी.

मुझे भी नींद नहीं आ रही थी इसलिए मैं भी जागा हुआ था.
अब मेरा लंड भी खड़ा हो गया था तो दीदी समझ चुकी थी कि मैं जागा हुआ हूं।

दीदी कंबल के अंदर से मेरा लौड़ा चूसने लगी.
मुझे तो जन्नत जैसा लगने लगा था.

कुछ समय दीदी मेरा लौड़ा चूसने के बाद दीदी बिल्कुल मेरे सामने साइड आ गई और सोने लगी.
नीचे से दीदी बिल्कुल नंगी थी, मेरा लौड़ा पूरा खड़ा था.

दीदी की चूचियां भी बाहर थी. दीदी ने मेरा सर अपने बूब्स के पास किया और मेरे मुंह में निप्पल देकर चुसवाने लगी.

अब दीदी ने मेरे लण्ड को पकड़ कर चूत के सामने सेट किया और अंदर लेने के लिए आगे हुई.
पर मेरा लौड़ा दीदी की चूत के अंदर नहीं जा रहा था.

ऐसे ही दीदी ने 4-5 बार प्रयास किया पर मेरा लंड बार बार फिसल रहा था।

फिर मुझसे भी रहा नहीं गया और मैंने जोर का झटके के साथ दीदी की चूत के अंदर लौड़ा

पेल दिया।
जिससे दीदी चीख पड़ी और और रोने लगी- भाई प्लीज निकालो!

मैं सुनने के मूड में नहीं था.

मैंने धर्मेंद्र और दीदी की चुदाई याद करके बहुत देर तक दीदी की चुदाई की अलग अलग पोजिशन में रात भर की।
इस सेक्सी हॉट गर्ल की चुदाई कहानी पर अपने विचार मेल और कमेंट्स में बताएं.
jay585125@gmail.com

Other stories you may be interested in

भाई की शादी में भाई के बॉस से चुद गयी मैं- 3

होटल रूम सेक्स का मजा लिया मैंने अपने भाई के बॉस के साथ ! उनके बुलाने पर मैंने उनके कमरे में गयी जहां उन्होंने मुझे नंगी कर लिया और मेरी चूत चाटने लगे. उसके बाद … कहानी के दूसरे भाग मैं […]
Full Story >>>

उफ़ ये मोहब्बत … या वासना

रोमांटिक सेक्स की कहानी मेरी प्रेमिका के साथ प्यार भरे सेक्स की है. मैं उसके शहर जयपुर गया काम से तो उससे बिना मिले आने की तो सोच भी नहीं सकता था. वह मेरे होटल में आई. मैं किसी काम […]
Full Story >>>

भाई की शादी में भाई के बॉस से चुद गयी मैं- 2

अन्तर्वासना हिंदी सेक्सी कहानियाँ मुझे बहुत पसंद हैं. तो मेरी कहानी में पढ़ें कि मैं कैसे अपने भाई के बॉस के बेडरूम में पहुँच गयी. मेरा इरादा उनके साथ थोड़ी देर सेक्स भरी मस्ती करने का था. कहानी के पहले […]
Full Story >>>

रंडी से मिली मुझे चुदाई की कोचिंग

पहला सेक्स ट्रेनर टीचर के साथ किया मैंने. मेरे दोस्त और मैंने कभी सेक्स नहीं किया था तो हम नंगी किताबें पढ़ते देखते थे. किताब बेचने वाले ने हमें सेक्स करने के लिए चूत दिलवाई. दोस्तो, मेरा नाम शेख़ ज़ुल्फ़िकार […]
Full Story >>>

मेरी सहेली की जिम कॉर्बेट में दमदार चुदाई- 2

ऑफिस गर्ल फक्ड इन जंगल … मेरी सहली ने खुद मुझे बताया कि उसके ऑफिस के लड़के ने कैसे उसे उसके होटल के कमरे में आकर चोद दिया. दोनों ने खूब मजा लिया. यह कहानी सुनें. दोस्तो, मैं हिमानी आपको […]
Full Story >>>